**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग**
**डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय**
**पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५**

**बुलेटिन संख्या-१०**
**दिनांक-शुक्रवार,१ फरवरी,२०१९**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २२.७ एवं ७.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ५३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १०.७ एवं दोपहर में २१.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा, सुबह में कुहासा देखा गया।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

## (२ से ५ फरवरी, २०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २ से ५ फरवरी, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल देखे जा सकते है। हँलाकि इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ९ से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ५ से ७ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई प्राथमिकता से करें। अगात राई-सरसों की तैयार फसलों की कटाई करें।
- समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो ६० से ६५ दिनों की हो गई है, उसमें तीसरी सिंचाई करें। बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो ४० से ४५ दिनों की हों गयी हो उसमें दूसरी सिंचाई करें।
- पिछात बोयी गई गेहूँ की फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग हल्का पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो २.५ किलोग्राम जिंक सल्फेट, १.२५ किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं १२.५ किलोग्राम युरिया को ५०० लिटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करे।
- रवी मक्का की फसल जिसमें धनबाल एवं मोचा आ गई हो, में सिंचाई कर ५० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- आलू की अगात प्रभेद की तैयार फसलों की खुदाई कर लें। बीज वाली फसल की ऊपरी लत्ती की कटाई कर लें तथा खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें।
- पिछात आलू को आवश्यकतानुसार १०-१५ दिनों पर सिचांई करें। पिछात आलू में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगराणी करें। शुरुआती अवस्था से कंद बनने की अवस्था तक यह कीट आलू की फसल को नुकसान पहुँचाती है। उपचार हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ से ३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें।
- मिर्च की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करे। इसके शिशु/वयस्क कीट सैकड़ो की संख्या में पौधो की पत्तियो की निचली सतह पर छिपे रहते हैं और कभी-कभी उपरी सतह पर भी देखे जा सकते हैं। ये पत्तियो, कलियो व फूलो का रस चुसते है। यह कीट मिर्च में बांझी विषाणु रोग फैलाता है। इससे बचाव हेतु इमिडक्लोप्रीड १७.८ ई०सी० का १ मी०ली० या डायमेथोएट ३० ई०सी० का २ मि०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करे।
- मटर में फली छेदक कीट की निगराणी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियाँ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- आम एवं लीची में मंजर आने की संभावना को देखते हुए किसान अपने आम एवं लीची के बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया नहीं करें। इन बगानों में दीमक, मधुआ एवं दहिया कीटों तथा पौउड्री मिल्डेव रोग की निगरानी करे।
- पिछले माह रोपी गई प्याज में खर-पतवार निकालें एवं कम दिनों के अन्तराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। प्याज में कीट एवं रोग-व्याधि का निरीक्षण करें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः २४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर | आज का न्यूनतम तापमानः १०.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री अधिक |

**(डॉ० ए. सत्तार)**
**नोडल पदाधिकारी**